नवसर्जन संस्कृति

TITLE CODE : UPHIN51496
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 237
दि. 28.12.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

पुलिस की इमेज में हुआ है बड़ा बदलाव, अपराधियों के मन में बैठा भय; आम लोगों को मिली राहत : सीएम

लखनऊ, (जीएनएस)। सीएम योगी ने कहा कि आज यूपी पुलिस अपराधियों के लिए भय और आम नागरिकों के लिए विश्वास व सम्मान का भाव स्थापित कर रही है। उन्होंने 2017 से पहले प्रदेश की कानून-व्यवस्था एक बड़ी चुनौती थी। आठ साल के भीतर यूपी पुलिस ने कानून-व्यवस्था में सुधार ने पुलिसिंग की छवि बदली है। यूपी का ह्यरूल ऑफ लॉह्ल का मजबूत उदाहरण बन चुका है। इससे अपराधियों में भय के साथ ही जनता में विश्वास बढ़ा है। सीएम ने अधिकारियों को नसीहत देते हुए कहा कि यूपी पुलिस के कार्यों की सराहना न सिर्फ देश में हो रही है बल्कि विदेशों में भी हो रही है, लेकिन सराहना के साथ काम का असर धरातल पर दिखे तभी इसे अपनी उपलब्धि समझना चाहिए।

पुलिस मुख्यालय में शनिवार को आयोजित दो दिवसीय ह्यपुलिस मंथनह्ल वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन-2025 में अध्यक्षता कर रहे सीएम ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि एक वक्त था जब लोगों के मन में असुरक्षा का भाव था। वह अपराधियों के दहशत में रहते थे। पुलिस प्रशिक्षण भी कमजोर था लेकिन जब से भाजपा की सरकार बनी है तब से कानून-व्यवस्था का राज स्थापित हुआ। पुलिसिंग व्यवस्था में बड़े पैमाने पर सुधार किए गए हैं। साढ़े आठ साल में 2.19 लाख भर्तियां की गईं। वर्तमान में 60,244 पुलिसकर्मियों की ट्रेनिंग चल रही है। सीएम ने बीट पुलिसिंग पर जोर दिया। इस मौके पर सीएम ने ह्ययक्षह्ल ऐप का लोकार्पण किया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद और डीजीपी राजीव कृष्णा समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सीएम ने कहा कि कानून-व्यवस्था बेहतर करने के लिए प्रदेश के सात जिलों में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली को लागू किया गया। वहीं जहां प्रदेश में पहले सिर्फ दो साइबर थाने हुआ करते थे आज प्रत्येक जिले में साइबर थाना है।

हर थाने में एक साइबर हेल्प डेस्क भी बनाई गई है। अगर फोरेंसिंक लैब की बात करें तो वर्तमान में 12 अत्याधुनिक लैब तैयार हो चुकी हैं। छह नई लैब का काम जारी है। यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस ने अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में पहचान बनाई है।

यूपी-112 का रेस्पांस टाइम अब 6-7 मिनट

सीएम ने कहा कि प्रदेश में एसडीआरएफ और यूपीएसएसएफ जैसी स्पेशल यूनिट गठित की गईं जो बेहद प्रभावी साबित हो रही हैं। पुलिस बैरकों को भी हाईटेक बनाया जा रहा है और उनको हर एक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। यूपी-112 के बारे में सीएम ने कहा कि एक वक्त 60-65 मिनट रेस्पांस टाइम होता था आज हेल्पलाइन पर कॉल करने के बाद छह से सात मिनट में पीआरवी मौके पर पहुंच रही है।

सीएम ने दिए अहम 10 निर्देश

1- ग्राम पंचायत स्तर पर तैनात चौकीदारों को पुलिस बीट व्यवस्था से जोड़ा जाए। इससे गांवों की सुरक्षा तंत्र को मजबूती मिलेगी। अपराध नियंत्रण पाने में आसानी होगी।

2- बीट पुलिस के सिपाही व दरोगा गांव स्तर पर लगातार जनसंपर्क करें और लोगों से संवाद करते रहें। जमीन स्तर की जानकारी मिलेगी जो कानून-व्यवस्था सुधारे में मदद करेगी।

3- मिशन शक्ति केवल पुलिस प्रयास तक ही सीमित नहीं है। ये सभी विभागों के समन्वय से संभव है। महिला सुरक्षा प्रभावी बनाने के लिए सभी विभागों को योजनाबद्ध तरीके से काम करना होगा।

4- महिलाओं की सुरक्षा दो स्तरों पर सुनिश्चित करना जरूरी है। आंतरिक और बाह्य सुरक्षा। परिवार और समाज में ऐसा वातावरण बने, जहां महिलाएं बिना भय के अपनी पीड़ा साझा करें। वहीं सार्वजनिक स्थलों पर एंटी रोमियो स्क्वॉड व महिला बीट सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें।

5- संरचना सुधार के तहत करीब 50,000 पुलिसकर्मियों को थानों में तैनात करने की जरूरत है। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अलग-अलग मॉडल के आधुनिक थाने, पार्किंग, बैरक, पब्लिक-सर्विस स्पेस जैसी सुविधाओं के साथ विकसित करने की आवश्यकता है।

6- चेन स्नेचिंग, लूट, महिलाओं के खिलाफ अपराध जनता में असुरक्षा और नकारात्मक धारणा पैदा करते हैं। इस पर प्रभावी कार्रवाई हो और जो भी अफसर जिम्मेदार हों उनकी जिम्मेदारी तय की जाए।

7- ग्राम पंचायत में नियुक्त बीसी सखी और बैंकों के बैंकिंग सदस्य के साथ समन्वय बनाकर ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में डिजिटल लेन-देन सुरक्षा पर जागरूकता अभियान चलाएं। जिससे साइबर अपराध पर अंकुश लगाया जा सके।

8- पुलिस लाइन को केवल प्रशासनिक इकाई तक सीमित न रखें। उसे जन-जागरूकता व सामाजिक सहभागिता के केंद्र के रूप में विकसित करें। पुलिस म्यूजियम, ट्रैफिक पार्क/स्तंभ की स्थापना कर स्कूली बच्चों को पुलिस कार्यप्रणाली और यातायात नियमों से रूबरू कराएं।

9- दहेज उत्पीड़न जैसे मामलों में बेहद संवेदनशीलता व गहन जांच के साथ कार्रवाई की जाए। जिससे निर्दोष परिवारों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

10- जेल में बंद माफिया व संगठित अपराधियों पर कड़ी निगरानी करें। उनकी पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से ही कराएं।

चौमूं : पुलिस का ताबड़तोड़ एक्शन, इंटरनेट सेवाएं ठप,

जयपुर के चौमूं कस्बे में मस्जिद के बाहर रेलिंग लगाने की वजह से विवाद शुरू हो गया था। शुक्रवार तड़के यह विवाद हिंसा में बदल गया। पुलिस पर जमकर पत्थरबाजी की, जिसमें आधा दर्जन पुलिसवाले घायल हो गए। हालात को देखते हुए प्रशासन ने इलाके में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं और भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है।'फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है, लेकिन एहतियातन सुरक्षा के कड़े इंतजाम जारी हैं। पुलिस ने इस मामले में अब तक 75 आरोपी पत्थरबाजों को अरेस्ट किया है।

मनरेगा : मल्लिकार्जुन खड़गे का ऐलान, 5 जनवरी से सड़क पर उतरेगी कांग्रेस

कांग्रेस वर्किंग कमेटी (CWC) की अहम बैठक में शनिवार को कई बड़े राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विशेष रूप से नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR), संसद के शीतकालीन सत्र में पारित G RAM G Bill (जिसने मनरेगा की जगह ली है), और बांग्लादेश में जारी अशांति जैसे विषय प्रमुख रहे।'बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और मनरेगा को खत्म किए जाने के फैसले के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन का ऐलान किया।

नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर प्रसाद शर्मा ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट की

गांधीनगर, 27 दिसंबर : भारत में नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर प्रसाद शर्मा ने शनिवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट की।

डॉ. शर्मा नेपाल के टूरिज्म प्रवोशन के लिए गुजरात की यात्रा पर आए हैं। इस बीच उन्होंने मुख्यमंत्री से यह शिष्टाचार भेंट-बैठक आयोजित की।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दिशादर्शन में गुजरात द्वारा टूरिज्म सेक्टर में जो विश्व आकर्षण स्थापित किए हैं, उसकी डॉ. शर्मा ने प्रशंसा की। उन्होंने विशेष रूप से टूरिज्म, इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, हाइड्रो एनर्जी एवं मैन्युफैक्चरिंग तथा एजुकेशन सेक्टर में सहभागिता पर मुख्यमंत्री के साथ परामर्श किया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन

में गुजरात के मैन्युफैक्चरिंग हब बने होने तथा सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर जैसे इमर्जिंग सेक्टर्स में भी अग्रणी बनने को सज्ज हुए होने का विवरण दिया।

इसके अलावा; मुख्यमंत्री ने नेपाल के राजदूत के समक्ष भूमिका दी कि स्टैच्यू ऑफ यूनिट, सफेद रण जैसे पर्यटन स्थलों और सोमनाथ, द्वारका तथा अंबाजी जैसे आध्यात्मिक पर्यटन स्थलों के साथ गुजरात विश्वभर के पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बना है।

नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर प्रसाद शर्मा तथा मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के बीच इस शिष्टाचार भेंट-बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री संजीव कुमार, उद्योग विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती ममता वर्मा, उद्योग आयुक्त श्री पी. स्वरूप तथा नेपाली प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भी सहभागी हुए।

ऑपरेशन कालनेमि के तहत अवैध रूप से रह रहे 19 बांग्लादेशी गिरफ्तार, अब तक कहां क्या कार्रवाई

(जीएनएस)।

उत्तराखंड में ऑपरेशन कालनेमि के तहत अवैध रूप से रह रहे 19 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। जिनमें से 10 को डिपोर्ट किया जा चुका है, जबकि शेष मामलों में विधिक प्रक्रिया प्रचलित है। प्रदेश स्तर पर अब तक कुल 4,802 से अधिक व्यक्तियों का सत्यापन, 724 अभियोग पंजीकरण तथा 511 गिरफ्तारियाँ की गई हैं।'इसी नीति के तहत राज्य सरकार द्वारा धर्म और आस्था की आड़ में पाखंड, ठगी, अवैध गतिविधियों और संदिग्ध तत्वों के विरुद्ध "ऑपरेशन कालनेमि" को 10 जुलाई से प्रदेशभर में प्रभावी रूप से लागू किया गया। इस अभियान का उद्देश्य देवभूमि की पवित्रता को बनाए रखते हुए कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करना और जनता के विश्वास की रक्षा करना है।

'मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार देवभूमि की सांस्कृतिक, धार्मिक और

सामाजिक अस्मिता की रक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि उत्तराखंड केवल एक भौगोलिक राज्य नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था, परंपरा और विश्वास का केंद्र है, और इसकी गरिमा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।'ऑपरेशन कालनेमि के अंतर्गत हरिद्वार, देहरादून एवं ऊधमसिंहनगर जैसे संवेदनशील जनपदों में व्यापक स्तर पर सत्यापन एवं प्रवर्तन कार्रवाई की गई। हरिद्वार जनपद में 3,091 व्यक्तियों का सत्यापन किया गया, जिनमें से 715 मामलों में अभियोग पंजीकृत किए गए तथा 305 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।'देहरादून जनपद में 1,711 व्यक्तियों का सत्यापन करते हुए 206 गिरफ्तारियाँ की गईं, 09 अभियोग पंजीकृत किए गए तथा 380 व्यक्तियों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई की गई। इसके साथ ही अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के विरुद्ध भी सख़्त कार्रवाई की गई।

कभी ओसामा साहब कहने वाले दिग्गी राजा ने अब बांधे संघ और पीएम मोदी की तारीफों के पुल

(जीएनएस)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले दिग्विजय सिंह एक बार फिर चर्चा में हैं। कभी बाटला हाउस एनकाउंटर पर सवाल उठाने वाले और ओसामा बिन लादेन को सम्मान के साथ साहब बुलाने वाले दिग्गी राजा के सुर अब बदलने लगे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पुरानी तस्वीर साझा कर पीएम नरेंद्र मोदी और आरएसएस की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) और भारतीय जनता पार्टी का संगठन मजबूत है।'दरअसल दिग्विजय सिंह ने जो तस्वीर शेयर की है उसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जमीन पर बैठे हुए नजर आ रहे हैं। दिग्विजय सिंह ने इस फोटो को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) और भारतीय जनता पार्टी की मजबूत संगठनात्मक शक्ति का प्रतीक बताया

है। कुछ समय पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने भी आरएसएस के संगठन क्षमता की तारीफ की थी।

पीएम मोदी और संघ के मुरीद हुए दिग्गी राजा'सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा किए गए पोस्ट में दिग्विजय सिंह ने लिखा कि यह तस्वीर उन्हें Quora वेबसाइट पर मिली है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'यह फोटो दिखाती है कि किस तरह एक साधारण स्वयंसेवक, जो कभी वरिष्ठ नेताओं के चरणों में बैठता था, मजबूत संगठन और अनुशासित कैडर के दम पर पहले राज्य का मुख्यमंत्री और फिर देश का प्रधानमंत्री बना।' उन्होंने इसे RSS और भाजपा की संगठनात्मक क्षमता का जीवंत उदाहरण बताया।

'हिंदू एकजुट हों तो बंगाल बदल सकता है, RSS को BJP से जोड़कर देखना बड़ी भूल', चुनाव से पहले बोले मोहन भागवत'उन्होंने इसी पोस्ट में आगे संगठन बनाने की जरूरत पर जोर देते हुए लिखा कि किसी भी राजनीतिक दल की असली ताकत उसके विचार, कैडर और संगठन में होती है।

प्रस्तावित रिस्पना-बिंदाल एलिवेटेड रोड प्रोजेक्ट को लेकर विरोध तेज, पदयात्रा के जरिए दिया ये संदेश

देहरादून में प्रस्तावित रिस्पना-बिंदाल एलिवेटेड रोड को लेकर कई सामाजिक संगठन विरोध में आ गए हैं। प्रोजेक्ट के खिलाफ उत्तराखंड इंसानियत मंच और उत्तराखंड महिला मंच ने संयुक्त रूप से पदयात्रा शुरू की। पहले चरण में यह पदयात्रा तीन दिन तक रिस्पना किनारे की बस्तियों में निकाली जाएगी।'उसके बाद बिंदाल के किनारे की बस्तियों में भी पदयात्रा निकाली जाएगी। बता दें कि इससे पहले समाजिक संगठनों ने केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली पुलिस का 'ऑपरेशन आघात 3.0', भारी मात्रा में हथियार-ड्रग्स बरामद

नए साल के जश्न से पहले राजधानी दिल्ली में दिल्ली पुलिस ने अपराधियों और शराबियों पर नकेल कसने के लिए कमर कस कर सड़कों पर उतर गई है।

राज्य में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए दिल्ली पुलिस ने शनिवार, 27 दिसंबर को बड़ा अभियान चलाया। इस अभियान को 'ऑपरेशन आघात 3.0' नाम दिया गया, जिसके तहत आबकारी अधिनियम, एनडीपीएस एक्ट और जुआ अधिनियम के मामलों में 285 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

एजेंसी अठकको जानकारी देते हुए दिल्ली पुलिस ने बताया, इस विशेष अभियान के दौरान 1,306 लोगों को प्रिवेंटिव एक्शन के तहत हिरासत में लिया गया। इनमें से 504 लोगों को एहतियातन पकड़ा गया, जबकि 116 ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिन्हें पुलिस की भाषा में "बैड कैरेक्टर" यानी आदतन अपराधी माना जाता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पवित्र प्रकाश उत्सव पर श्री गुरु गोबिंद सिंह जी को नमन किया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज पवित्र प्रकाश उत्सव के अवसर पर श्री गुरु गोबिंद सिंह जी को नमन किया। श्री मोदी ने कहा कि वे साहस, करुणा और बलिदान के प्रतीक हैं। श्री मोदी ने कहा, "उनका जीवन और उनकी शिक्षाएं हमें सत्य, न्याय, धर्म और मानव गरिमा की रक्षा के लिए खड़ा होने की प्रेरणा देती हैं। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की दृष्टि पीढ़ियों को सेवा और निःस्वार्थ कर्तव्य करने का मार्गदर्शन देती है।'प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया: 'श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के पवित्र प्रकाश उत्सव पर हम उनके सामने श्रद्धा से सिर झुकाते हैं। वे साहस, करुणा और त्याग के प्रतीक रहे हैं। उनका जीवन और उनकी शिक्षाएं हमें सत्य, न्याय, धर्म और मानव गरिमा की रक्षा के लिए खड़ा होने की प्रेरणा देती हैं। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की दृष्टि पीढ़ियों को सेवा और निःस्वार्थ कर्तव्य करने का मार्गदर्शन देती है। 'यहाँ इस साल की शुरूआत में तख्त श्री हरमंदिर जी पटना साहिब की मेरी यात्रा की कुछ तस्वीरें हैं, जहाँ मैंने श्री गुरु गोबिंद सिंह जी और माता साहिब कौर जी के पवित्र जोरे साहिब का भी दर्शन किया था।'

टर्मिनेटिंग / ओरिजिनेटिंग ट्रेन की सुविधा के साथ उत्राण स्टेशन का किया जा रहा है विकास

भारतीय रेल की अगले 5 वर्षों में प्रमुख शहरों में रेल गाड़ियों की संचालन क्षमता दोगुनी करने की योजना' 'यात्रा की मांग में लगातार हो रही तीव्र वृद्धि को देखते हुए, भारतीय रेल द्वारा अगले 5 वर्षों में प्रमुख शहरों की नई रेल गाड़ियों के संचालन की क्षमता को वर्तमान स्तर से दोगुना करने की योजना है। आगामी वर्षों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्तमान बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल है।

इस दिशा में वर्ष 2025 -26 के दौरान वडोदरा मंडल के प्रतापनगर स्टेशन पर दो नए प्लेटफार्म का निर्माण किया गया। उत्राण स्टेशन पर प्लेटफार्म संख्या 3 एवं 4 के विस्तार के साथ अमृत भारत स्टेशन के सभी कार्य पूरे कर लिए गए है। टर्मिनेटिंग / ओरिजिनेटिंग ट्रेन की सुविधा के साथ उत्राण स्टेशन का विकास किया जाएगा, जिसमे नए हाई लेवल प्लेटफार्म का निर्माण, अप दिशा के प्लेटफार्म के विस्तार और अन्य यात्री सुविधाओं के कार्य शामिल है।' 'वडोदरा मंडल पर शॉर्ट टर्म यानि अगले दो वर्ष के अंतर्गत रानोली स्टेशन पर 2 पिट लाइनों एवं एक स्टेब्लिंग लाइन का निर्माण तथा उत्राण स्टेशन पर 2 नए प्लेटफार्मों का निर्माण किया जाएगा।इसके अतिरिक्त, लॉन्ग टर्म यानि 3 से 5 वर्ष की योजना के अंदर प्रतापनगर स्टेशन पर 1 पिट लाइन एवं 1 स्टेबलिंग लाइन का निर्माण प्रस्तावित है।' 'इसके अतिरिक्त प्रतापनगर और उत्राण में कोचिंग क्षमता बढ़ाने के लिए कोचिंग टर्मिनल का निर्माण किया जाएगा।' 'वर्ष 2030 तक रेल गाड़ियों की संचालन क्षमता को दोगुना करने के उद्देश्य से भारतीय रेल द्वारा अधोसंरचना विकास के महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं, जिनमेनिम्न कार्य शामिल होंगे:' ⁄. मौजूदा टर्मिनलों को अतिरिक्त प्लेटफॉर्म, स्टेबलिंग लाइन, पिट लाइन और पर्याप्त शंटिंग सुविधाओं से सुसज्जित करना।'शहरी क्षेत्र में और उसके आसपास नए टर्मिनलों की पहचान और निर्माण करना।'. मेगा कोचिंग कॉम्प्लेक्स सहित रखरखाव सुविधाएं।'५. विभिन्न स्थानों पर रेल गाड़ियों की बढ़ती संख्या की व्यवस्था करने के लिए यातायात सुविधा कार्यों, सिग्नलिंग उन्नयन और मल्टीट्रैकिंग के माध्यम से अनुभागीय क्षमता में वृद्धि करना।' 'केंद्रीय रेल मंत्री, सूचना एवं प्रसारण मंत्री और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने इस सम्बन्ध में कहा, 'हम यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए विभिन्न शहरों में कोचिंग टर्मिनलों का विस्तार कर रहे हैं और अनुभागीय एवं परिचालन क्षमताओं को बढ़ा रहे हैं। इस कदम से हमारे रेलवे नेटवर्क का उन्नयन होगा और राष्ट्रव्यापी संपर्क सुविधा में सुधार होगा।

4 बार की टीएमसी सांसद के मां और बेटों को चुनाव आयोग ने थमाया नोटिस, ये है मामला

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल में रक्फ़ (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक विवाद का दौर जारी है। तृणमूल कांग्रेस (ळटउ) ने इस पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए अनियमितताओं और जल्दबाजी के आरोप लगाए हैं। इस बीच टीएमसी सांसद काकोली घोष दस्तीदार के परिवार के सदस्यों को भी सुनवाई के लिए नोटिस भेजे गए हैं। विसंगतियों के आधार पर सांसद की मां और और बेटों समेत चार सदस्यों को नोटिस थमाया है।'बारासात से चार बार की सांसद काकोली घोष दस्तीदार के दोनों बेटों को रक्फ़प्रक्रिया के तहत सुनवाई के लिए बुलाया गया है। यही नहीं, उनकी मां और बहन को भी संबंधित बीडीओ कार्यालय में पेश होने के लिए नोटिस जारी किया गया है। जानकारी के मुताबिक, सांसद के परिवार के सदस्य शनिवार (27 दिसंबर) को ही बीडीओ दफ्तर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

टीएमसी की दिग्गज नेता'बारासात से चार बार की सांसद काकोली घोष दस्तीदार को ममता बनर्जी के करीबी लोगों में शुमार किया जाता है। एसआईआर और वोट चोरी के खिलाफ उन्होंने संसद में जोरदार आवाज उठाई थी। विपक्षी सांसदों के प्रदर्शन के दौरान वह बेहोश भी हो गई थीं। हालांकि, उनके परिवार के सदस्य बीडीओ दफ्तर में जाकर अपना पक्ष रखेंगे।'काकोली ने बताया कि ड्राफ्ट लिस्ट में उनके दोनों बेटों के नाम गायब थे, जबकि वे सरकारी कर्मचारी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को यह तक नहीं पता कि सुनवाई में उनसे क्या पूछा जा रहा है और उनके नाम जबरन सूची से हटाए जा रहे हैं। फिलहाल इस पूरे मामले पर चुनाव आयोग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

टीएमसी का आरोप है कि रक्फ़ प्रक्रिया बेहद जल्दबाजी में कराई जा रही है। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी और राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी इस प्रक्रिया के त्रुटिपूर्ण होने का दावा कर चुके हैं। अभिषेक बनर्जी का कहना है कि जो काम आम तौर पर दो साल में पूरा होता है, उसे सिर्फ दो महीनों में क्यों निपटाया जा रहा है। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट सामने आने के बाद कई चौंकाने वाली गड़बड़ियां उजागर हुई हैं।

बंगाल एसआईआर में सामने आई हैं कई त्रुटियां'- डानकुनी नगर पालिका के तृणमूल पार्षद सूर्या डे के नाम के आगे 'मृत' दर्ज होना, माकपा राज्य सचिव मोहम्मद सलीम के बेटे के सरनेम में गलती और मंत्री शोभनदेब चट्टोपाध्याय के नाम में त्रुटि जैसे मामले सामने आए हैं।'

सीमा शुल्क मंजूरी सुविधा समिति की बैठक ने हितधारकों के विश्वास को मजबूत किया'

इस बैठक में एफएसएसएआई, प्लांट क्वारंटाइन, ड्रग कंट्रोलर सहित सहयोगी सरकारी एजेंसियां; कस्टम्स ब्रोकर, एसोचैम, जीजेईपीसी के अलावा संरक्षक, आयातक, निर्यातक और विभागीय अधिकारियों जैसे हितधारक एक साथ आए।'

(जीएनएस)।

दिल्ली सीमा शुल्क विभाग द्वारा इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे के कल्पना चावला सम्मेलन कक्ष में दिल्ली जोन के मुख्य सीमा शुल्क आयुक्त की अध्यक्षता में सीमा शुल्क मंजूरी सुविधा समिति (सीसीएफसी) की बैठक आयोजित की गई ।''इस बैठक में एफएसएसएआई, प्लांट क्वारंटाइन और ड्रग कंट्रोलर सहित सहयोगी सरकारी एजेंसियों के साथ-साथ कस्टम्स ब्रोकर, एसोचैम और जीजेईपीसी जैसे व्यापार संघों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। सीमा शुल्क मंजूरी प्रणाली में शामिल हितधारकों की व्यापक विविधता को दर्शाते हुए, इसमें संरक्षक, आयातक, निर्यातक और विभागीय अधिकारी भी उपस्थित थे।''विचार-विमर्श के दौरान, केंद्रीय

अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) द्वारा शुरू की गई हालिया नीति और डिजिटल पहलों का उल्लेख किया गया। जिसमें दिल्ली सीमा शुल्क क्षेत्र के भीतर उनके कार्यान्वयन ढांचे पर विशेष ध्यान दिया गया।

हितधारकों ने प्रमुख परिचालन संबंधी मुद्दे उठाए जिन पर रचनात्मक रूप से चर्चा की गई, जिसके परिणामस्वरूप ऐसे व्यावहारिक परिणाम निकले जो इस सुविधा को मजबूत करेंगे और दक्षता में सुधार करेंगे। बैठक के पारदर्शी और सहयोगात्मक संचालन की व्यापक रूप से सराहना की गई, जिससे सीमा शुल्क प्रक्रियाओं में विश्वास बढ़ा और निर्यात एवं आयात समुदाय में समन्वय को बढ़ावा मिला।''दिल्ली सीमा शुल्क क्षेत्र ने व्यापार सुगमता को बढ़ावा देने और कानून के दायरे में व्यापार सुविधा को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इसने इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्र का मार्गदर्शक सिद्धांत पारदर्शिता, सुलभता और दक्षता के सिद्धांतों पर आधारित है। ये मूल्य न केवल सीमा शुल्क के कामकाज के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि विश्वास निर्माण और यह सुनिश्चित करने के लिए भी आधार का काम करते हैं कि हितधारक प्रशासन के साथ खुलकर संवाद करने में सक्षम महसूस करें।'भविष्य की योजनाओं को ध्यान में रखते हुए, दिल्ली सीमा शुल्क क्षेत्र ने इस बात पर जोर दिया कि व्यापार में सुगमता एक निरंतर प्रक्रिया है जिसके लिए सीमा शुल्क विभाग, सहयोगी एजेंसियों, संरक्षकों और व्यापारिक समुदाय के बीच निरंतर सहयोग आवश्यक है। निर्णय लेने में पारदर्शिता, प्रक्रियाओं में सुगमता और संवाद एवं समस्या-समाधान के लिए खुली नीति को अपनाकर, दिल्ली सीमा शुल्क विभाग विश्वास, दक्षता और साझा उत्तरदायित्व की संस्कृति को बढ़ावा देना चाहता है।

कोर्ट ने सजा दी, कोर्ट ने ही जमानत दी, तो हंगामा क्यों?', कुलदीप सेंगर के समर्थन में क्या बोल गए बृजभूषण

(जीएनएस)।

उन्नाव रेप केस में दोषी ठहराए गए पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की सजा निलंबित होने के बाद देशभर में उठे विरोध के बीच भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और कैसरगंज से बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह खुलकर उनके समर्थन में आ गए हैं। उन्होंने सवाल उठाया है कि जब सजा देने वाली और सजा निलंबित करने वाली संस्था एक ही है, यानी अदालत, तो फिर इस फैसले पर इतना शोर क्यों मचाया जा रहा है।

'सजा भी कोर्ट ने दी, राहत भी कोर्ट ने दी''UP TAK की खास पॉडकास्ट सीरीज 'यूपी की बात' में बातचीत के दौरान बृजभूषण शरण सिंह ने बेहद सख्त लहजे में कहा कि कुलदीप सेंगर को सजा भी अदालत ने दी और सजा निलंबित करने का फैसला भी अदालत का ही है। उनके मुताबिक, जब ट्रायल कोर्ट ने सेंगर को दोषी ठहराया था, तब उसी फैसले का खूब स्वागत किया गया। लेकिन अब जब दिल्ली हाई कोर्ट ने सजा निलंबित की है, तो उसी न्यायपालिका पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अगर अदालत के एक फैसले पर भरोसा किया जाता है, तो दूसरे फैसले पर भी वही भरोसा दिखना चाहिए। वरना इसका मतलब यही निकलेगा कि लोगों को अदालत पर भरोसा नहीं है, बल्कि वे फैसले अपनी सुविधा के हिसाब से स्वीकार

धरना-प्रदर्शन को बताया 'नाटक''बृजभूषण शरण सिंह ने कुलदीप सेंगर की सजा निलंबित होने के बाद हो रहे विरोध प्रदर्शनों को सीधे तौर पर नाटक करार दिया। उन्होंने कहा कि यह देश भावनाओं से नहीं, कानून से चलता है। नैतिकता के नाम पर किसी को सजा या फांसी नहीं दी जा सकती। यहां फैसला कानून करता है और कानून का मतलब है अदालत।'उनका कहना था कि अगर किसी को हाई कोर्ट के फैसले से आपत्ति है, तो उसके लिए संवैधानिक रास्ता मौजूद है। लोग सुप्रीम कोर्ट जा सकते हैं, आगे की अदालतों में अपील कर सकते हैं। लेकिन सड़कों पर उतरकर हंगामा करना और दबाव बनाना न्यायपालिका के सम्मान के खिलाफ है।

'प्रश्न उठाने का मतलब कोर्ट पर भरोसा नहीं''बृजभूषण ने बार-बार इस बात पर जोर दिया कि कुलदीप सेंगर के मामले में हर कदम न्यायपालिका ने उठाया है। सजा भी कोर्ट ने दी, जमानत और सजा निलंबन भी कोर्ट ने ही किया। ऐसे में सवाल उठाने का सीधा मतलब यही है कि लोग अदालत की निष्पक्षता पर भरोसा नहीं कर रहे। उन्होंने कहा कि जब अदालत ने सजा सुनाई थी, तब सबको अच्छा लगा।

पेंशन संबंधी 1087 लंबित शिकायतों का निवारण किया गया'

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली में 24.12.2025 को सुश्री रचना शाह, सचिव, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग एवं पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग की अध्यक्षता में 15वीं पेंशन अदालत का आयोजन किया गया'

'जन संवाद' के माध्यम से मिली सफलता की कहानियाँ शिकायतों के त्वरित समाधान और पेंशनभोगियों के लिए गरिमा एवं वित्तीय सुरक्षा बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्रालय, गृह मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, डाक, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, नागरिक उड्डयन मंत्रालय आदि के अंतर्गत आने वाले 30 विभागों/मंत्रालयों से संबंधित पेंशनभोगियों की 1087 लंबित शिकायतों के निवारण के लिए 24.12.2025 को आयोजित पेंशन अदालत में सुनवाई की गई जिनमें से 815 शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया जो पेंशनभोगियों को समय पर न्याय दिलाने में इस पहल की दक्षता को दशार्ता है।'24.12.2025 को आयोजित अदालत से कई हार्दिक सफलता की कहानियां सामने आई। पेंशनभोगियों द्वारा झेली गई कठिनाइयों को समझने और पेंशन अदालत की व्यवस्था के माध्यम से उन्हें उनके लंबे समय से लंबित अधिकार प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए कुछ मामलों के अंश नीचे दिए गए हैं।'श्री सत्यम मिश्रा'प्रयागराज निवासी श्री सत्यम मिश्रा की शिकायत 114 दिनों से अधिक समय से लंबित थी। शिकायत जुलाई 2024 से असाधारण पेंशन के रूप में पेंशन लाभ जारी न होने से संबंधित थी। उन्होंने स्वयं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपनी चिंता व्यक्त की। बीएसएफ के अधिकारियों ने पेंशन अदालत में सूचित किया कि उचित कार्रवाई के बाद मामले का निपटारा कर दिया गया है और अनुग्रह राशि सहित 5,73,728/- रुपये की बकाया राशि का भुगतान कर दिया गया है। यह भी बताया गया कि उनकी असाधारण पेंशन 01.12.2025 से शुरू हो जाएगी।'

श्री दलजीत सिंह'हरियाणा के रेवाड़ी निवासी श्री दलजीत सिंह की शिकायत 150 दिनों से अधिक समय से लंबित थी। उनकी शिकायत एकराशिदान के भुगतान न होने और विकलांगता संबंधी लाभों की जांच से संबंधित थी। उन्होंने स्वयं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेंशन अदालत में भाग लिया। पीपीओ में 50% यानी 12,02,656/- रुपये का एकराशिदान दर्ज था लेकिन भुगतान लंबित था। रक्षा मंत्रालय के प्रयागराज स्थित पीसीडीए (पी) विभाग ने सूचित किया कि 12,02,656/- रुपये की एकराशिदान 10.11.2025 को उनके खाते में जमा कर दिया गया है।'

श्री नसीम अख्तर'जम्मू-कश्मीर के निवासी श्री नसीम अख्तर की शिकायत 150 दिनों से अधिक समय से लंबित थी। उनकी शिकायत अगस्त 2020 से लंबित पारिवारिक पेंशन मामले के निपटारे में देरी से संबंधित थी। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में भाग लिया। 12.05.2023 को दावा प्रस्तुत मामला जनगणना संचालन विभाग का था। सीपीएओ के सीसी (पी) ने सूचित किया कि आदेश 24.12.2025 को जारी किया गया है और बिना किसी और देरी के बकाया राशि का भुगतान कर दिया जाएगा।'सुश्री कंचन बाला'हिमाचल प्रदेश के ऊना निवासी सुश्री कंचन बाला की शिकायत 150 दिनों से अधिक समय से लंबित थी।

उनका मामला जनवरी 2021 से अविवाहित पुत्री को पारिवारिक पेंशन मिलने में हो रही देरी से संबंधित था। उनके पिता स्वर्गीय श्री चूर सिंह बीएसएफ में कार्यरत थे। उन्होंने स्वयं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में अपनी आर्थिक कठिनाइयों के बारे में बताया। बीएसएफ के अधिकारियों ने अदालत को सूचित किया कि उनके मामले पर कार्रवाई शुरू हो चुकी है और दस दिनों के भीतर इसकी समीक्षा कर इसका समाधान कर दिया जाएगा।'सुश्री मुक्ता चक्रवर्ती'असम के गुवाहाटी निवासी सुश्री मुक्ता चक्रवर्ती की शिकायत 150 दिनों से अधिक समय से लंबित थी। उनकी शिकायत स्वर्गीय श्री रजत भूषण चक्रवर्ती की अविवाहित पुत्री को पारिवारिक पेंशन दिए जाने से संबंधित थी जो अक्टूबर 2020 से लंबित थी। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में अपनी बात रखी थी।

इस साल 42 दिन विदेशी धरती पर रहें पीएम मोदी, 23 देशों की यात्रा की

(जीएनएस)।

वर्ष 2025 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कूटनीतिक कौशल और विदेश नीति के लिहाज से एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हुआ है। 2015 के बाद यह पहला अवसर है जब प्रधानमंत्री ने इतनी गहनता और सक्रियता के साथ वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।'आर्थिक चुनौतियों और बदलती भू-राजनीति के बीच, उनकी यात्राओं का उद्देश्य केवल द्विपक्षीय संबंध सुधारना नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करना रहा है। घरेलू चुनावी व्यस्तताओं में कमी ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नेतृत्व करने के लिए आवश्यक समय और अवसर प्रदान किया।

प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं के लिए सबसे व्यस्त साल रहा, जिसमें उन्होंने 11 यात्राओं के दौरान 23 देशों का दौरा किया। 2015 के बाद यह उनकी सर्वाधिक देशों की यात्रा है, जब उन्होंने 28 देशों का भ्रमण किया था। इस साल प्रधानमंत्री ने कुल 42

दिन विदेश में बिताए, जो उनके दूसरे कार्यकाल की तुलना में एक बड़ी बढ़त है। यह सक्रियता दशार्ती है कि भारत वैश्विक नेतृत्व की दिशा में कितनी तेजी से कदम बढ़ा रहा है।'ये भी पढें: ाँ१ एल्लीाँ१ ढङ्क'३ूर: 2025 में भारतीय राजनीति ने क्या-क्या दिखा दिया? 5 बड़े फैक्टर से समझें सालाना लेखा-जोखा

इन देशों के दौरे पर गए पीएम मोदी' फ्रांस, संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए), मॉरीशस, थाईलैंड, श्रीलंका, सऊदी अरब, साइप्रस, कनाडा, क्रोएशिया, घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील, नामीबिया, यूनाइटेड किंगडम (यूके), मालदीव, जापान, चीन, भूटान, दक्षिण अफ्रीका, जॉर्डन, इथियोपिया

इस साल दो बार अमेरिका के दौरे पर गए पीएम मोदी'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2025 में दो बार अमेरिका का दौरा कर द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती प्रदान की। फरवरी में उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के प्रारंभ में वाशिंगटन डी.सी. की यात्रा कर रणनीतिक वार्ता की, जबकि सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र और व्यापारिक चचाओं के लिए वे पुनः अमेरिका पहुंचे। इन दौरों का प्राथमिक उद्देश्य अमेरिकी आयात शुल्क से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करना, रक्षा सहयोग बढ़ाना और दुर्लभ खनिजों की निर्बाध आपूर्ति हेतु साझेदारी को प्रगाढ़ करना रहा।'

सतना को सीएम मोहन यादव ने दी ऐतिहासिक सौगात, जानिए कैसे बनेगा 650 बेड का मेगा सरकारी अस्पताल

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सतना जिले को एक बड़ी और दूरगामी स्वास्थ्य सौगात दी है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को ₹383 करोड़ की लागत से बनने वाले 650 बिस्तरीय नवीन शासकीय चिकित्सालय भवन का विधिवत भूमिपूजन किया।'यह अत्याधुनिक अस्पताल सतना शासकीय मेडिकल कॉलेज परिसर में बनेगा, जिससे पूरे विंध्य क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिलेगी।

भूमिपूजन कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों से संवाद किया और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में मजबूत, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। यह नया अस्पताल गरीब, मध्यम वर्ग और दूर-दराज के मरीजों के लिए वरदान साबित होगा।'विंध्य क्षेत्र के लिए बड़ी राहत'यह बहुप्रतीक्षित परियोजना केवल सतना ही नहीं, बल्कि रीवा, सीधी, सिंगरौली, मैहर सहित आसपास के 5 से 6 जिलों के लाखों नागरिकों के लिए राहत लेकर आएगी। वर्तमान में सतना मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सीमित बेड और संसाधनों के कारण मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गंभीर रोगियों को भोपाल, जबलपुर या अन्य बड़े शहरों में रेफर करना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों की हानि होती है। नए अस्पताल के निर्माण से यह समस्या काफी हद तक दूर हो जाएगी।'650 बेड वाला अस्पतालः स्वास्थ्य क्रांति की नींव'मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भूमिपूजन के दौरान

कहा कि यह अस्पताल विंध्य क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं में मील का पत्थर साबित होगा। परियोजना की प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं:' बेड क्षमताः 650 बिस्तर, जो वर्तमान क्षमता से दोगुने से भी अधिक होगी

परियोजना लागतः ₹383 करोड़

स्थानः सतना शासकीय मेडिकल कॉलेज परिसर

आधुनिक सुविधाएंः

अत्याधुनिक डढऊ और क्ढऊ

हाईटेक कउव और इमरजेंसी यूनिट

मल्टीपल ऑपरेशन थिएटर

आधुनिक डायग्नोस्टिक लैब

कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, ऑन्कोलॉजी सहित विशेष स्पेशलिटी वार्ड

निर्माण अवधिः लगभग 2 से 3 वर्ष (अनुमानित)

लाभार्थीः सतना सहित पूरे विंध्य क्षेत्र के लाखों मरीज'मुख्यमंत्री ने कहा, "इस अस्पताल से क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा मिलेगी। गरीब और जरूरतमंद मरीजों को बेहतर इलाज उनके जिले में ही उपलब्ध होगा।"'भव्य भूमिपूजन समारोह'भूमिपूजन समारोह में उत्साह और गरिमा का माहौल रहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री, स्थानीय सांसद, विधायक, प्रशासनिक अधिकारी, डॉक्टर और बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि मौजूद थे। वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के बाद मुख्यमंत्री ने शिलान्यास किया।'इसके बाद मुख्यमंत्री ने मेडिकल कॉलेज के छात्रों से संवाद किया। उन्होंने छात्रों से कहा, "आप ही प्रदेश का भविष्य हैं। डॉक्टर बनकर आप समाज और प्रदेश की सेवा करेंगे। सरकार आपके लिए हरसंभव सुविधाएं उपलब्ध कराएगी।"

छात्रों ने भी कॉलेज और अस्पताल से जुड़ी सुविधाओं को लेकर अपनी मांगें रखीं, जिस पर मुख्यमंत्री ने सकारात्मक आश्वासन दिया।'क्यों जरूरी था नया अस्पताल' सतना शासकीय मेडिकल कॉलेज की स्थापना वर्ष 2019 में हुई थी। वर्तमान स्थिति यह है किः

अस्पताल में लगभग 300 से 400 बेड ही उपलब्ध हैं

डढऊ में रोजाना हजारों मरीज पहुंचते हैं

कई स्पेशलिटी सेवाओं की कमी के कारण गंभीर मरीजों को बाहर रेफर करना पड़ता है

क्षेत्र आदिवासी और ग्रामीण बहुल है, जहां स्वास्थ्य सुविधाओं की जरूरत ज्यादा है

गौतम गंभीर को कोचिंग से हटाने की तैयारी? बीसीसीआई की योजना को लेकर हुआ बड़ा खुलासा

(जीएनएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। टीम इंडिया के लगातार खराब प्रदर्शन और कोच की रणनीतियों पर उठते सवालों के बीच एक बड़ी रिपोर्ट ने सनसनी फैला दी है। रिपोर्ट के अनुसार टेस्ट कोच के रूप में उनकी छुट्टी करने की योजना पर काम हो सकता है लेकिन उनके पास भी पावर कम नहीं है।'दावा किया जा रहा है कि बीसीसीआई (BCCI) गंभीर को टेस्ट कोच के पद से हटाने पर विचार कर रहा है। अगर ऐसा होता है, तो भारतीय क्रिकेट में यह हाल के वर्षों का सबसे बड़ा बदलाव होगा। गंभीर की जगह टेस्ट कोच के लिए एक अन्य शख्स को अप्रोच करने की खबर भी आई है।

पीटीआई के अनुसार गंभीर को बोर्ड में मजबूत समर्थन प्राप्त है। टी20 में तो वह कोच बने रहेंगे लेकिन टेस्ट का कुछ पता नहीं है। टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के प्रदर्शन के बाद गंभीर के भविष्य पर चर्चा हो सकती है। रिपोर्ट में बीसीसीआई के एक सूत्र के हवाले से बताया गया है कि गौतम गंभीर को भारतीय क्रिकेट के ताकतवर गलियारों में मजबूत समर्थन हासिल है और जाहिर है कि अगर भारत टी20 विश्व कप का खिताब बरकरार रखते हैं या कम से कम फाइनल तक पहुंचाते हैं, तो वह बिना किसी रुकावट के अपनी जिम्मेदारी निभाते रहेंगे। हालांकि, यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या गंभीर का कार्यकाल टेस्ट क्रिकेट में कब तक रहता है।

गंभीर के पक्ष की बात यह है कि फिलहाल रेड बॉल फॉर्मेट में विकल्प बहुत कम हैं, खासकर तब, जब वीवीएस लक्ष्मण सीनियर टेस्ट टीम के कोच बनने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। बताया जाता है कि एक बार लक्ष्मण को अप्रोच किया गया था लेकिन उन्होंने मना कर दिया।'भारत की टीम 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली घरेलू सीरीज के साथ एक बार फिर मैदान पर उतरेगी।

इस दौरे में दोनों टीमों के बीच 3 वनडे और 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे। इस सीरीज के समापन के बाद भारत 2026 टी20 विश्व कप की सह-मेजबानी की तैयारियों में जुट जाएगा।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

वैश्विक बाजार में डालर के वर्चस्व में और भी गिरावट आना तय

अमेरिका के एक सनकी पत्रकार ने चेतावनी दी है कि 2026 में भारतीय लोगों, उनके घरों, दुकानों, प्रतिष्ठानों एवं मंदिरों पर हमले होंगे, इसलिए सभी भारतीयों को देश से बाहर निकालना ही इस संकट का एकमात्र हल है। यह कोई साधारण पत्रकार नहीं है। इसका नाम है मैट फाना जो अमेरिका में दक्षिणपंथी एक्टिविस्ट भी है। उसने अपने देश के प्रशासन को आगाह किया है कि भारतीयों के खिलाफ हिसा करने वाले पाकिस्तान मूल, हिस्पैनिक अमेरिकी और अप्रीकी अमेरिकी होंगे। इसका मतलब यह हुआ कि अमेरिकी अपने मस्तिष्क में यह बात बैठा चुके हैं कि अमेरिका ब्र१ाण्ड का ऐसा देश है जहां रहने के लिए दुनिया के हर देश के लोग लालायित रहते हैं। पत्रकार ने यदि 2026 में भारतीयों पर हमले की बात कही है तो इसे गंभीरता से लेना ही चाहिए। लेकिन इस पत्रकार को 2026 की एक बात को और भी ध्यान में रखने की जरूरत है कि 1 जनवरी यानि एक सप्ताह भारत ब्रिक्स (ब्राजील, इंडिया, रूस, चीन और साउथ अप्रीका) का अध्यक्ष बन जाएगा। मतलब यह कि अब अमेरिका का वर्चस्व खत्म होने वाला है। इस पत्रकार की तरह ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत रूस और चीन को एक साथ ला दिया है। इसलिए तीनों सरकारों के बीच अमेरिका के खिलाफ इतनी जबरदस्त सहयोगत्मक भावना पैदा हो गई है कि आने वाला दिन अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए ही बहुत भारी पड़ने वाली है। ट्रंप की धमकी का परिणाम यह हुआ कि ब्रिक्स देशों के बीच वृषि क्षेत्र में आपसी सहयोग को मजबूत करना शुरू कर ही दिया है साथ ही ये देश ग्लोबल साउथ के लिए खाद्दा सुरक्षा को रणनीतिक मान्यता देने की तैयारी में हैं। यदि वृषि व्यापार प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण, जलवायु अनुवूल-खेती और मूल्य श्रृंखला विकास में साझेदारी का विकास कर लें तो क्या दबंगई रह जाएगी अमेरिका की। आज अमेरिका इस मुगालते में है कि दुनिया का कोई भी देश उसके समान समृद्ध नहीं है किन्तु सच तो यह है कि कच्चे तेल का उत्पादन, सोने के भंडार, आर्थिक आकार और खाद्दा आत्मनिर्भरता भूराजनीति में सौदेबाजी की ताकत का निर्धारण करते हैं। ग्यारह ब्रिक्स देशों का इसमें महत्वपूर्ण हिस्सा है। अमेरिका के लिए ब्रिक्स बहुत बड़ी चुनौती बन चुका है क्योंकि विश्व ऊर्जा सांख्यिकी की समीक्षा 2025 के मुताबिक 2024 में ब्रिक्स देशों ने दुनिया के लगभग 42 प्रतिशत तेलों का उत्पादन किया। यही नहीं विश्व स्वर्ण परिषद के मुताबिक ब्रिक्स देशों के पास दुनिया का 20 प्रतिशत स्वर्ण भंडार है। यही नहीं ब्रिक्स देश विश्व अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक तो 2024 में वैश्विक घरेलू उत्पाद ब्रिक्स देशों की हिस्सेदारी में 29 प्रतिशत का योगदान रहा है। असल में अमेरिका की सबसे बड़ी नाराजगी भारत से यह है कि 2025 के अगस्त में जब डोनाल्ड ट्रंप भारत पर टैरिफ लगाने में व्यस्त थे उसी वक्त भारत ने अमेरिकी डालर के वर्चस्व को समाप्त करने के लिए एक परिपत्र जारी किया जिसके तहत ब्रिक्स देशों को अपना 100 प्रतिशत व्यापार भारतीय रूपए में करने की अनुमति मिल गई है। वैसे तो अमेरिकी डालर का वर्चस्व पहले से ही कम होना शुरू हो गया था किन्तु अब यदि ब्रिक्स देश रुपए में व्यापार शुरू कर देंगे तो डालर का क्या होगा! भारत को इस वास्तविकता का पहले से ही एहसास था कि अपने डालर पर इतरा रहे अमेरिका को जब भी उसके डालर के फजीहत की जानकारी होगी तो उसका तिलमिलाना स्वाभाविक होगा। अमेरिका का पूरा इकोसिस्टम जो भारत को यह धमकियां देता रहता था। उसके उत्पादों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगा देंगे, उसकी यह जानने के बाद अब सिट्टी-पिट्टी गुम होती दिख रही है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने बैंकों को बिना पूर्ण अनुमति के अधिक वोस्नें खाते खोलने का निर्देश दे दिया है। इस नीति के तहत अन्य देशों के निर्यातक और आयातक अब समर्पित वोस्त्रों खातों के माध्यम से रूपए में अपना व्यापार कर सकते हैं। फिर तो वैश्विक बाजार में डालर के वर्चस्व में और भी गिरावट आना तय है। बहरहाल यदि अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ हमले होते हैं, तो यह अमेरिकी स्टेट अथारिटी की जिम्मेदारी होगी कि वह उनकी रक्षा करे।

उपभोक्ताओं को सशक्त बनाना: राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन ने 8 महीनों में 31 क्षेत्रों में 45 करोड़ रुपये की राशि वापस दिलवाई'

ई-कॉमर्स क्षेत्र में 32 करोड़ रुपये की राशि वापिस दिलवाई गई; यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में 3.5 करोड़ रुपये की राशि वापिस दिलवाई गई'

(जीएनएस)।

भारत सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग की एक प्रमुख पहल, राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच), देश भर में उपभोक्ताओं की शिकायतों के प्रभावी, समयबद्ध और मुकदमेबाजी से पहले निवारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।'25 अप्रैल से 26 दिसंबर 2025 तक आठ महीने की अवधि के दौरान, हेल्पलाइन ने 31 क्षेत्रों में राशि वापिस दिलवाने के दावों से संबंधित 67,265 उपभोक्ता शिकायतों का समाधान करते हुए 45 करोड़ रुपये की राशि के वापिस दिलवाई है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत मुकदमेबाजी से पहले, एनसीएच विवादों के त्वरित, किफायती और सौहार्दपूर्ण समाधान को सक्षम बनाती है जिससे उपभोक्ता आयोगों पर बोझ कम होता है।'क्षेत्रवार निष्पादन'ई - कॉमर्स क्षेत्र में शिकायतों और वापिस दिलवाई गई राशि की मात्रा और संख्या सबसे अधिक दर्ज की गई जिसमें 39,965 शिकायतों के परिणामस्वरूप 32 करोड़ रुपये की राशि वापिस दिलवाई गई। इसके बाद यात्रा और पर्यटन क्षेत्र का स्थान रहा जिसमें 4,050 शिकायतें दर्ज की गई और 3.5 करोड़ रुपये की राशि वापिस दिलवाई गई।'ई-कॉमर्स क्षेत्र से राशि वापिस दिलवाने से संबंधित शिकायतें देश के सभी हिस्सों से प्राप्त हुई जिनमें प्रमुख महानगरों से लेकर दूरस्थ और कम आबादी वाले क्षेत्र भी शामिल हैं। यह राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन की राष्ट्रव्यापी पहुंच, सुगमता और प्रभावशीलता को दशार्ता है।'कुल वापिस दिलवाई गई राशि में 85 प्रतिशत से अधिक का योगदान देने वाले शीर्ष पांच क्षेत्रों, प्राप्त शिकायतों की संख्या और संबंधित वापिस दिलवाई गई राशि का विवरण नीचे दिया गया है:'क्रम संख्या'क्षेत्र'कुल शिकायतें'कुल वापसी राशि (रुपये में)'1'ई-कॉमर्स'39, 965'320, 680, 198'2'यात्रा पर्यटन'4, 050'35, 222, 102'3'एजेंसी सेवाएं'957'13, 497, 714'4'इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद'635'11, 725, 231'5'एयरलाइंस'668'9, 556, 843' 'कुल'46, 275'39, 06, 82, 088' 'इस उपलब्धि के पीछे का एक प्रमुख कारण साझेदारों की संख्या में विस्तार है जिससे उपभोक्ताओं की शिकायतों का प्रभावी ढंग से समाधान करने की सामूहिक क्षमता में वृद्धि हुई है। यह

संबंधित हितधारकों की सशक्त भागीदारी को दशार्ता है जो उपभोक्ता कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान के लिए उनकी जवाबदेही की पुष्टि करता है।'25 अप्रैल से 26 दिसंबर 2025 की अवधि में 45 करोड़ रुपये की राशि की त्वरित वापसी न केवल हेल्पलाइन की प्रभावशीलता और तत्परता दशार्ती है बल्कि समयबद्ध और परेशानी मुक्त शिकायत निवारण सुनिश्चित करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका भी दशार्ती है। यह मुकदमेबाजी से पहले के चरण में एक आवश्यक माध्यम के रूप में एनसीएच के महत्व को और मजबूत करता है जो बाजार में विश्वास और पारदर्शिता को बढ़ावा देता है।'उपभोक्ता पर प्रभाव - उदाहरण:'राजस्थान के जोधपुर के एक उपभोक्ता ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से खराब कुर्सियाँ प्राप्त करने के बाद शिकायत दर्ज कराई। समाधान चाहा, उपभोक्ता ने कंपनी से संपर्क किया, लेकिन लगातार पाँच बार समान वापिस लेना रद्द कर दिया गया जिससे मामला अनसुलझा रह गया। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन के हस्तक्षेप से मामले का तुरंत समाधान हुआ और उपभोक्ता को पूरी राशि वापस कर दी गई। उपभोक्ता ने हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा, 'मेरे जैसे ठगे गए उपभोक्ताओं की सहायता करने के लिए उपभोक्ता हेल्पलाइन का बहुत-बहुत धन्यवादङ्ग आपका बहुत-बहुत आभार ĺह्व'कर्नाटक के बेंगलुरु निवासी एक उपभोक्ता ने वार्षिक इंटरनेट प्लान खरीदा था और उसके खाते से राशि काट ली गई थी। हालांकि, कनेक्शन कभी लगाया ही नहीं गया। जब उसने ग्राहक सेवा से संपर्क किया तो उसे आश्वासन दिया गया कि 10 कार्य दिवसों के भीतर राशि लौटाने की प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी। कई बार कॉल करने और शिकायत करने के बावजूद, उपभोक्ता को चार महीने बाद भी राशि वापिस नहीं मिली। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन के प्रभावी हस्तक्षेप से कंपनी ने तुरंत राशि लौटाने की प्रक्रिया पूरी कर दी। समाधान पर संतोष व्यक्त करते हुए उपभोक्ता ने कहा, "यह एक अच्छा अनुभव रहा। अन्यथा, राशि वापिस पाना मुश्किल था।"'तमिलनाडु के चेन्नई के एक उपभोक्ता ने उड़ान से 96 घंटे से अधिक पहले अपना टिकट रद्द कर दिया था। इसके बावजूद, उपभोक्ता के बार-बार अनुरोध करने पर भी कंपनी ने राशि वापिस नहीं लौटाई। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) के त्वरित हस्तक्षेप से राशि वापिस लौटा दी गई। एनसीएच के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए उपभोक्ता ने कहा, "एनसीएच को त्वरित कार्रवाई के लिए धन्यवाद। मैं आपके प्रयासों से बहुत प्रसन्न हूं।"'ये मामले मुकदमेबाजी से पहले की प्रभावी व्यवस्था के रूप में एनसीएच की भूमिका को दशार्ते हैं जो उपभोक्ताओं को लंबी कानूनी कार्यवाही के बिना सुलभ और समय पर शिकायत निवारण प्रदान करता है।'राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन तक पहुंच'यह हेल्पलाइन देशभर के उपभोक्ताओं के लिए मुकदमेबाजी से पहले ही शिकायतों के निवारण हेतु एक सुलभ केंद्र के रूप में उभरी है । उपभोक्ता टोल-फ्री नंबर 1915 के माध्यम से 17 भाषाओं में अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं।

सीएक्यूएम ने 26.12.2025 को गुरुग्राम में एमसीजी के रखरखाव वाले 125 सड़क खंडों का व्यापक निरीक्षण किया' धूल नियंत्रण और अपशिष्ट प्रबंधन में काफी कमियां देखी गई

सीएक्यूएम ने 26.12.2025 को गुरुग्राम में एमसीजी के रखरखाव वाले 125 सड़क खंडों का व्यापक निरीक्षण किया' धूल नियंत्रण और अपशिष्ट प्रबंधन में काफी कमियां देखी गईं; जमीनी स्तर पर उपायों को मजबूत करने के निर्देश

(जीएनएस)।

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने गुरुग्राम में 26.12.2025 को सड़क सफाई और झाड़ू लगाने के कार्यों की समीक्षा करने और गुरुग्राम नगर निगम (एमसीजी) के रखरखाव वाले 125 सड़क खंडों की जांच के लिए एक व्यापक अभियान चलाया।'यह निरीक्षण मौजूदा श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (जीआरएपी) के वैधानिक ढांचे के तहत निरंतर निगरानी और प्रवर्तन प्रयासों के हिस्से के रूप में किया गया था, जिसका उद्देश्य धूल कम करने के उपायों के साथ जमीनी स्तर पर अनुपालन का मूल्यांकन करना और सड़क की धूल, नगरपालिका ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू), निर्माण और तोड़फोड़ से संबंधित (सी एंड डी) अपशिष्ट और खुले में जलाने के मामलों जैसे संबंधित मुद्दों की पहचान करना था।'आयोग ने गुरुग्राम में एमसीजी के अधिकार क्षेत्र में आने वाले 125 सड़क खंडों के निरीक्षण के लिए कुल 17 निरीक्षण दल गठित किए, जिनमें हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) की 15 टीमें और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की दो टीमें शामिल थीं। निरीक्षण दलों द्वारा भू-टैग और समय-चिह्नित फोटोग्राफिक दस्तावेज एकत्र किए गए और समेकित निरीक्षण रिपोर्ट के भाग के रूप में आयोग के समक्ष प्रस्तुत किये।'निष्कर्षों से पता चला कि निरीक्षण किए

गए 125 सड़क खंडों में से 34 खंडों में धूल का स्तर अत्यधिक था, 58 खंडों में मध्यम स्तर की धूल थी, 29 खंडों में धूल की तीव्रता कम थी, जबकि केवल चार खंड पूरी तरह धूल रहित थे। अत्यधिक धूल वाले कई खंडों में ठोस अपशिष्ट और निर्माण एवं तोड़फोड़ अपशिष्ट का भारी संचय पाया गया। इसके साथ ही खुले में जलाने के कई मामले भी सामने आए, जो सड़क रखरखाव, अपशिष्ट प्रबंधन और जमीनी स्तर पर प्रवर्तन में गंभीर कमियों को दशार्ते हैं।'गुरुग्राम के विभिन्न वार्डों और सेक्टरों में कई सड़क खंडों, जिनमें आवासीय कॉलोनियां, आंतरिक सड़कें और मुख्य मार्ग शामिल हैं जिन पर लगातार धूल जमा होने और कचरा फेंके जाने की समस्या पाई गई। कई स्थानों पर खुले में कचरा जलाने और अव्यवस्थित कचरे ने धूल की समस्या को और भी बदतर बना दिया जिससे तत्काल सुधारात्मक उपायों और संबंधित एजेंसी द्वारा कड़ी निगरानी की आवश्यकता महसूस की गई है।'आयोग ने पाया कि समग्र निरीक्षण परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि एमसीजी की ओर से जमीनी स्तर पर कार्यों को काफी मजबूत करने की आवश्यकता है। इसमें विशेष रूप से नियमित यांत्रिक सफाई, एकत्रित धूल और कचरे को समय पर उठाकर वैज्ञानिक तरीके से निपटाने, सक्रिय जल छिड़काव और धूल-नियंत्रण उपायों के संबंध में, और खुले में आग जलाने पर सख्त रोक लगाने के संबंध में ध्यान दिया गया है। आयोग ने इस बात पर जोर दिया कि सड़कों की स्थिति में स्पष्ट सुधार सुनिश्चित करने और धूल एवं कचरे के पुनः संचय को रोकने के लिए निरंतर और केंद्रित प्रयास आवश्यक हैं।'आयोग ने दोहराया कि धूल नियंत्रण और खुले में आग जलाने की रोकथाम के लिए वैधानिक निदेर्शों और जीआरएपी उपायों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने हेतु 'ऑपरेशन क्लीन एयर' के तहत निरीक्षण और प्रवर्तन अभियान पूरे एनसीआर में नियमित रूप से जारी रहेंगे। आयोग क्षेत्र में स्वच्छ, हरित और धूल रहित सड़कों को सुनिश्चित करने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहा है।'

शुभमन गिल से लेकर केएल राहुल ने मचाया गदर, 2025 में सर्वाधिक टेस्ट रन बनाने वाले टॉप 5 खिलाड़ी

(जीएनएस)।

साल 2025 टेस्ट क्रिकेट के लिए बल्लेबाजों का साल साबित हुआ, जहां अलग-अलग टीमों के स्टार खिलाड़ियों ने अपने बल्ले से रन बरसाकर कई यादगार पारियां खेलीं। लंबे फॉर्मेट में धैर्य, तकनीक और निरंतरता की असली परीक्षा होती है और इस कसौटी पर कुछ बल्लेबाज बाकी सबसे आगे नजर आए।'भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने पूरे साल टेस्ट क्रिकेट में दबदबा बनाए रखा। आइए नजर डालते हैं 2025 में टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों पर, जिन्होंने अपने प्रदर्शन से क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीत लिया।

र१ैंुल्ल,ॅ'' ल्लर्ि '' १४"शुभमन गिल (भारत)'साल 2025 में टेस्ट क्रिकेट के सबसे बड़े रन-स्कोरर शुभमन गिल रहे। उन्होंने 9 टेस्ट मैचों की 16 पारियों में 983 रन बनाए। 70.21 की शानदार औसत के साथ गिल ने 269 रन की ऐतिहासिक पारी खेली और पूरे साल में 5 शतक जमाए। लंबे समय तक क्रीज पर टिककर खेलने की उनकी क्षमता ने भारत की टेस्ट बल्लेबाजी को नई मजबूती दी।'ट्रैविस हेड (ऑस्ट्रेलिया)'ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड ने 2025 में 11 टेस्ट मैचों की 21 पारियों में 817 रन बनाए। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 170 रन रहा और उन्होंने 2 शतक व 3 अर्धशतक लगाए। आक्रामक अंदाज में रन बनाने वाले हेड ने तेज गति से मैच का रुख बदलने में अहम भूमिका निभाई।'केएल राहुल (भारत)'केएल राहुल ने 2025 में टेस्ट क्रिकेट में भरोसेमंद प्रदर्शन किया। उन्होंने 10 मैचों की 19 पारियों में 813 रन बनाए, जिसमें 3 शतक और 3 अर्धशतक शामिल रहे। 45 से अधिक की औसत के साथ राहुल ने विदेशी परिस्थितियों में भी भारत के लिए अहम योगदान दिया।'जो रूट (इंग्लैंड)'इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने 2025 में एक बार फिर अपनी निरंतरता साबित की। उन्होंने 10 टेस्ट मैचों की 18 पारियों में 805 रन बनाए और 4 शतक जड़े। 50 से ऊपर की औसत के साथ रूट इंग्लैंड की टेस्ट टीम की सबसे मजबूत कड़ी बने रहे।'हैरी ब्रूक (इंग्लैंड)'युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने 2025 में टेस्ट क्रिकेट में शानदार प्रभाव छोड़ा। उन्होंने 10 मैचों की 18 पारियों में 771 रन बनाए। 158 रन उनका सर्वोच्च स्कोर रहा और आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर ब्रूक ने इंग्लैंड के मिडिल ऑर्डर को मजबूती दी।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2026 का ऐलान, स्पीकर से लेकर एंट्री फीस तक हर डिटेल जान लें

(जीएनएस)।

हर साल की तरह इस बार भी देश भर के साहित्य और कला प्रेमी जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल का इंतजार कर रहे हैं। यह महोत्सव साहित्य, कला, संस्कृति और राजनीति से जुड़े दिग्गजों को एक मंच पर लाने वाला है। आयोजकों के मुताबिक, JLF 2026 का आयोजन 15 जनवरी से 19 जनवरी 2026 तक किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित साहित्यिक महोत्सव का आयोजन जयपुर के होटल क्लार्क्स आमेर में होगा।'इस बार जेएलएफ में लेखक, कवि, विचारक, इतिहासकार और कलाकार हिस्सा लेंगे। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल को 'दुनिया का सबसे बड़ा साहित्यिक शो' कहा जाता है और हर साल इसमें लाखों साहित्य प्रेमी शामिल होते हैं। इस साल समारोह की एंट्री फी से लेकर स्पीकर्स तक की डिटेल जानें:

JLF 2026 में 500 से अधिक वक्ताओं और 300 से ज्यादा सत्रों की मेजबानी किए जाने की उम्मीद है।

फिल्म, कला और साहित्य जगत की हस्तियां इसमें शिरकत करेंगी।'- इस बार के प्रमुख वक्ताओं में बुकर पुरस्कार विजेता किरण देसाई, मशहूर लेखिका बानू मुश्ताक, कवयित्री एलिस ओसवाल्ड, लेखक आनंद नीलकंठन और कला समीक्षक एंड्र्यू ग्राहम-डिक्सन जैसे अंतर्राष्ट्रीय नाम शामिल हैं।'- साहित्यिक सत्रों में इतिहास, राजनीति, तकनीक, समाज और समकालीन वैश्विक मुद्दों पर गहन चचाएं होंगी। टिकट और रजिस्ट्रेशन डिटेल'JLF 2026 के लिए अलग-अलग श्रेणियों में टिकट उपलब्ध होंगे। छात्रों के लिए ₹100 में सभी पांच दिनों की एंट्री मिलेगी, जबकि सामान्य दर्शकों के लिए टिकट ₹200 से शुरू होंगे। 'फ्रेंड ऑफ द फेस्टिवल (FOF)' श्रेणी में ₹14,000 से शुरू होने वाले टिकट पर वीआईपी सुविधाएं, डेलिगेट लाउंज और लंच की सुविधा मिलेगी। म्यूजिक स्टेज के लिए टिकट ₹499 से शुरू होंगे।

JLF 2026: साहित्य के साथ कलाओं का भी लें लुत्फ'जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं है। यहां जयपुर बुकमार्क के जरिए प्रकाशकों और लेखकों को बिजनेस नेटवर्किंग का मौका मिलेगा। वहीं जयपुर म्यूजिक स्टेज पर शाम के समय प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा संगीत प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इसके अलावा पुस्तक विमोचन, रचनात्मक कार्यशालाएं और हस्तशिल्प बाजार भी महोत्सव का प्रमुख आकर्षण रहेंगे।

वैभव सूर्यवंशी 14 साल की उम्र में बने कप्तान, वर्ल्ड कप की टीम में भी किए गए शामिल

(जीएनएस)।

वैभव सूर्यवंशी अब वर्ल्ड कप में अपने बल्ले का जादू चलाते हुए दिखाई देंगे। बीसीसीआई (BCCI) ने टीम की घोषणा करते हुए अंडर 19 वर्ल्ड कप के लिए वैभव सूर्यवंशी का चयन भी किया है। चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के उभरते हुए सितारे आयुष म्हात्रे (Ayush MhÔtre) को भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया है। वैभव सूर्यवंशी को दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए कप्तानी मिली है।'आयुष ने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल की तैयारियों में अपने प्रदर्शन से चयनकताओं को बेहद प्रभावित किया है। वैभव सूर्यवंशी ने घरेलू क्रिकेट में अपने बल्ले से धमाका करते हुए दुनिया को हैरान करने का काम किया है। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर भारत की अंडर 19 टीम खेलेगी, उस टीम में भी वैभव का नाम है।

'मुंबई से ताल्लुक रखने वाले आयुष म्हात्रे को हाल ही में आईपीएल 2025 के ऑक्शन में चेन्नई सुपर किंग्स ने खरीदा था। कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की देखरेख में निखर रहे आयुष अब अंडर 19 विश्व कप में देश का नेतृत्व करेंगे। आयुष को उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और शांत दिमाग के लिए जाना जाता है, जो उन्हें कप्तानी के लिए एक परफेक्ट विकल्प बनाता है।'इस टीम में सबसे बड़ा नाम बिहार के 14 वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी का है। वैभव ने हाल ही में अंडर-19 क्रिकेट में सबसे तेज शतक जड़कर इतिहास रचा था। आईपीएल ऑक्शन में भी वे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने जिन्हें पिछले साल राजस्थान रॉयल्स ने करोड़ों की बोली लगाकर खरीदा। उनकी मौजूदगी से भारतीय बल्लेबाजी क्रम और भी मजबूत नजर आ रहा है। दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए सूर्यवंशी को कप्तान बनाया गया है, यह उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि है।'

सानिया किन्नर बनीं पुलिस में होमगार्ड, कभी गांव वालों ने ताना देकर भगाया, खाकी वर्दी देख कर रहे सैल्यूट

(जीएनएस)।

जिस सानिया को कभी गांव में 'नाचने वाली' कहकर ताने मिले, जिनके सपनों को किन्नर कहकर कुचल दिया गया, आज उसी सोनिया किन्नर ने इतिहास रच दिया है। सोनिया बिहार पुलिस में थर्ड जेंडर कैटेगरी में भर्ती होने वाली होमगार्ड हैं। पुलिस में होमगार्ड की ट्रेनिंग पूरी करने के बाद जब सोनिया अपने गांव पहुंची तो जिन आंखों में उनके लिए नफरत और उपेक्षा थी, आज उन्हीं आंखों में सम्मान नजर आया, और वही हाथ जो कभी उन्हें भगाने को उठे थे, आज सोनिया को खाकी वर्दी में सैल्यूट कर रहे हैं।'सानिया किन्नर की यह कहानी सिर्फ नौकरी पाने की नहीं, बल्कि पहचान, आत्मसम्मान और समाज की सोच बदल देने वाले साहस की कहानी है। बिहार पुलिस में भर्ती होने के बाद सोनिया के वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। जिसमें किन्नर समाज की इस बेटी को खूब सम्मान मिल रहा है। इन वीडियोज में कोई सोनिया की आरती उतार रहा है तो कोई इन्हें फूल माला पहनाकर स्वागत कर रहा है।

सोनिया ट्रेनिंग कर पहुंची गांव, हुईं भावुक'तमाम सोशल मीडिया प् लेटफार्म को दिए गए इंटरव् यू में सोनिया काफी भावुक नजर आईं। ट्रेनिंग पूरी करके अपने किन्नर समाज के साथियों के पास पहुंचने पर जब भव्य स्वागत किया गया तो उनकी आंखें नम हो गईं। सोनिया ने कहा, मैंने अपने जीवन में बहुत दुख देखें, बहुत अपमान सहा, लोग नाचने वाली किन्नर कहकर मुझसे नफरत करते थे।' सोनिया ने बताया कि वो ताउम्र ऐसी जिंदगी नहीं बिताना चाहती थीं, इसलिए उन्होंने पढ़ाई की। बिहार सरकार द्वारा जैसे ही थर्ड जेंडर को पुलिस में भर्ती करने का अवसर दिए जाने को ऐलान किया तभी मैंने फॉर्म भरकर दिन-रात मेहनत शुरू कर दी।

मैथ आनर्स में इरउ कर रही सोनिया बनना चाहती हैं दरोगा'सोनिया ने बताया जब परीक्षा की तैयारी के लिए भागती-दौड़ती थी, तब भी लोग मजाक बनाते थे लेकिन मैं उन्हें नजरअंदाज कर आगे बढ़ती रही। आज मैं अपनी ट्रेनिंग पूरी कर होमगार्ड बन चुकी हूं। सोनिया ने बताया वर्तमान समय में वो मैथ ऑनर्स में बीएससी फाइनल इयर की पढ़ाई कर रही हैं। उन्होंने कहा मेरा सपना बिहार पुलिस में दरोगा बनने का है।

पेट पालने के लिए चलाती थी आर्केस्ट्रा' मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सोनिया किन्नर छपरा में सुरव एरिया रहने वाली है। सोनिया ने बताया कि पेट पालने के लिए वो अपने साथियों के साथ मिलकर सोनिया आर्केस्ट्रा चलाती थी और उसी से हम सबका पेट पलता है।

यूपीः भाजपा के जाति विशेष विधायकों की बैठक पर अखिलेश का हमला, बोले- हार तय जानकर विद्रोह पर उतरे

लखनऊ (जीएनएस)। बीते दिनों भाजपा के कुछ जाति विशेष के विधायकों ने एक बैठक की थी। अब इस पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी है।

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश भाजपा में मचे आपसी घमासान का कारण ऊपरी तौर पर भले कोई विद्रोही बैठक हो, पर असल कारण यह है कि भाजपा के विधायकों के बीच यह बात पहले ही फैल चुकी है कि एसआईआर में 2.89 करोड़ वोटरों के नाम कट गए हैं। मुख्यमंत्री भी कह चुके हैं कि करीब 85-90 प्रतिशत उनके अपने ही वोटर कटे हैं। यानी, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के 61 हजार वोट कम हुए हैं। कार क्या बनाएगी, दहाई का अंक भी पार नहीं कर पाएगी। इसलिए आपसी लड़ाई

अब एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप व खुलेआम नोटिस के रूप में सामने आ रही है। भाजपाई विधायक अलग-अलग बैठकें करके ये दिखा रहे हैं कि भाजपा सरकार व संगठन उनकी नहीं सुन रहे हैं। उनके कोई काम नहीं हो रहे हैं।

समाजवादियों ने महाराजा खंगार की मनाई जयंती

प्रदेश सपा मुख्यालय पर शनिवार को वीर शिरोमणि महाराजा खेत सिंह खंगार की जयंती सादगी से मनाई गई। पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी ने कहा कि महाराजा खेत सिंह खंगार महान योद्धा और कुशल प्रशासक थे। उन्होंने पृथ्वीराज चौहान के साथ कई युद्ध लड़े थे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजवादी नेता मौजूद थे।

ओबीसी आरक्षण में की जा रही गड़बड़ी : अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी में 4 नई नौकरियों के विज्ञापन में ओबीसी के 183 पद कम किए जाने का आरोप लगाया है। ये नौकरियां हैं- पशु चिकित्सक, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी (यूनानी) और चिकित्सा अधिकारी (आयुर्वेद)। अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी सरकार 69 हजार शिक्षक भर्ती घोटाले में सुप्रीम कोर्ट में सरकारी अधिवक्ता नहीं भेजती है और केस की तिथि जान बूझकर टलवाई जाती है। जब समाजवादी पार्टी पीडीए पंचायत करके गांव-गांव इन मुद्दों को उठाती है तो वहां पर पुलिस भेजकर पीडीए पंचायत को रोका जाता है। वहीं सीधे जाति के नाम पर विधायकों की बैठक होने दी जाती है।

सगे भाई की हत्या का खुलासाः थाना करेली पुलिस ने 24 घंटे में अभियुक्त भाई व पत्नी को गिरफ्तार किया

(जीएनएस)।

पीलीभीत, पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के सख्त निदेशों पर थाना करेली पुलिस ने जमीन विवाद में सगे भाई की निर्मम हत्या करने वाले अभियुक्त और उसकी पत्नी को मात्र 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। घटना के खुलासे से इलाके में पुलिस की तत्परता की सराहना हो रही है।

जानकारी के अनुसार, थाना करेली क्षेत्र के एक गांव में जमीन को लेकर भाइयों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इस विवाद में भड़ककर अभियुक्त ने अपने ही सगे भाई पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया, जिसमें भाई की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद अभियुक्त दंपति फरार हो गए थे। पुलिस अधीक्षक पीलीभीत ने मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी को तत्काल

विशेष टीम गठित कर अभियुक्तों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए।

थाना करेली पुलिस ने फरार अभियुक्तों की तलाश में छापेमारी शुरू की। मुखबिरों के सहयोग से अभियुक्त और उसकी पत्नी को छिपे हुए स्थान से धर दबोचा गया। पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। हत्या में प्रयुक्त आला क्रिया (धारदार हथियार) भी बरामद कर ली गई है। अभियुक्तों के खिलाफ क्हउ की धारा 302 (हत्या), 34 (साझा आशय) सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस की तत्परता से न्याय की उम्मीद

पुलिस अधीक्षक पीलीभीत ने बताया कि जमीन विवादों को लेकर होने वाली वारदातों पर सख्ती बरती जाएगी। उन्होंने जनता से अपील की कि पारिवारिक विवादों को थाने या तहसील में सुलझाएं, न कि हिंसा का सहारा लें। थाना प्रभारी करेली ने कहा कि अभियुक्त दंपति को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। आगे पूछताछ जारी है।

इस सफल कार्रवाई से पीलीभीत जिले में पुलिस की सक्रियता का उदाहरण स्थापित हुआ है।

स्थानीय लोगों ने पुलिस टीम को बधाई दी है।

केजीएमयू धर्मांतरण मामलाः आयोग की अध्यक्ष ने कुलपति से की मुलाकात, बोलीं- इसमें सिर्फ एक व्यक्ति का हाथ नहीं

लखनऊ (जीएनएस)। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान ने प्रारंभिक तथ्यों से मामला किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं लगता। इसके पीछे एक संगठित प्रयास की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता।

केजीएमयू में महिला रेजिडेंट डॉक्टर से जुड़े धर्मांतरण के प्रयास का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। विभिन्न संगठनों और नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन (एनएमओ) के विरोध प्रदर्शन के बाद शनिवार को राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान ने केजीएमयू की कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि इस

मामले में बड़ी साजिश लग रही है।

कुलपति से हुई बैठक के दौरान आयोग अध्यक्ष ने अब तक की जांच प्रक्रिया की जानकारी ली और विशाखा कमेटी की ओर से तैयार की गई रिपोर्ट का भी अवलोकन किया। इस दौरान बबीता सिंह चौहान ने कहा कि प्रारंभिक तथ्यों से मामला किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं लगता। इसके पीछे एक संगठित प्रयास की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि केजीएमयू जैसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक और चिकित्सकीय संस्थान में इस तरह की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और इससे संस्थान की छवि को ठेस पहुंचती है। आयोग पूरे मामले पर लगातार नजर बनाए हुए है, ताकि पीड़िता को समय पर न्याय मिल सके और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

पीड़िता से संपर्क साध रहा आयोग

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान ने बताया कि आयोग पीड़िता के हित में लगातार प्रयासरत है। वह पीड़िता से लगातार संपर्क साधने की कोशिश कर रही हैं। अगर वह आयोग से अपनी बात साझा करेंगी तो मदद की जा सकेगी।

शीतल लहर के प्रभाव के बचाव को लेकर जिलाधिकारी का क्षेत्र में निरीक्षण, जरूरतमंदों को किया कंबल वितरित

(जीएनएस)। लखनऊ

राजधानी। लखनऊ में शीत लहर के प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए जनपद लखनऊ में आमजन विशेषकर निराश्रित एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को राहत प्रदान किए जाने के उद्देश्य से लखनऊ डीएम विशाख जी0 द्वारा नगर क्षेत्र के परिवर्तन चौक, केडी सिंह स्टेडियम, हजरतगंज चौराहा, बालू अड्डा सहित विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर स्थलीय निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा जरूरतमंद व्यक्तियों को कंबलों का वितरण किया गया जिलाधिकारी द्वारा परिवर्तन चौक स्थित अस्थाई रैन बसेरा एवं बालू अड्डा स्थित अस्थाई रैन बसेरे का निरीक्षण करते हुए रैन बसेरों में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में निर्देशित किया गया सभी रैन बसेरों में स्वच्छता, प्रकाश, पेयजल, बिस्तर एवं पर्याप्त संख्या में कंबलों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए साथ ही शीत लहर के दृष्टिगत नगर क्षेत्र के प्रमुख स्थलों पर अलाव की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश भी जिलाधिकारी द्वारा संबंधित विभागों को दिए गए भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि रात्रिकालीन गश्त एवं फील्ड भ्रमण को और अधिक प्रभावी बनाया जाए जरूरतमंद व्यक्ति शीत लहर के कारण असुरक्षित न रहे जरूरतमंद लोगों को रैन बसेरों में पहुंचाने की समुचित व्यवस्था स्थानीय अपर नगर मजिस्ट्रेट एवं नगर निगम के जोनल कार्यालय द्वारा सुनिश्चित की जाए निरीक्षण में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, तहसीलदार सदर, नगर निगम जोनल अधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

किर्गिस्तान से सकुशल लौटे पीलीभीत के नौ युवक, बंधक जैसी परिस्थिति बनाकर कराया जा रहा था काम

पीलीभीत, (जीएनएस)।।

किर्गिस्तान में बंधक जैसी परिस्थितियों में फंसे पीलीभीत जिले के नौ युवक आखिरकार शनिवार को सकुशल अपने घर लौट आए। तीन महीने से अधिक समय तक ठगी और उत्पीड़न का शिकार रहे इन युवकों में से अधिकांश बरखेड़ा, पूरनपुर, दियोरिया और गजरौला थाना क्षेत्रों के निवासी हैं।जानकारी के अनुसार, पीलीभीत शहर की एक रिक्रूटिंग एजेंसी के संचालक ने 12 युवकों को विदेश में अच्छी नौकरी का झांसा दिया था। प्रत्येक युवक से करीब ढाई लाख रुपये वसूले गए। किर्गिस्तान पहुंचने पर उन्हें वादे के अनुसार कोई काम

नहीं मिला, बल्कि बंधक बनाकर उनसे जबरन अन्य स्थानों पर काम कराया गया।महीनों तक वेतन न मिलने और उत्पीड़न झेलने के बाद युवकों ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर अपनी आपबीती बताई थी। वीडियो वायरल होते ही परिवार वालों ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से संपर्क किया। इसके बाद केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने दिल्ली में पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर भारतीय दूतावास से तुरंत कार्रवाई कराई।सरकार और दूतावास के साझा प्रयासों से नौ युवकों की स्वदेश वापसी संभव हुई। घर लौटने पर परिवारों में खुशी का माहौल है। लौटे युवकों ने सरकार और प्रशासन का आभार व्यक्त किया तथा किर्गिस्तान में अपनों से दूर बिताए भयावह दिनों की दास्तान सुनाई।प्रशासन ने शेष तीन युवकों की वापसी के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं, वहीं पीलीभीत की उक्त रिक्रूटिंग एजेंसी पर जांच की मांग भी जोर पकड़ रही है।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दारागंज शवदाह स्थल शिवकुटी के पास किया गया स्थानांतरित

(जीएनएस)। प्रयागराज

माघ मेला 2026 के सफल आयोजन एवं मेले में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं तथा स्थानार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। मोरी रोड के पास स्थित दारागंज शवदाह स्थान को अस्थायी रूप से स्थानांतरित कर शिवकुटी के पास स्थापित किया गया है। यह व्यवस्था माघ मेला अवधि के दौरान यातायात सुगमता, भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की गई है।

दिनांक 27 दिसंबर 2025 से लेकर माघ मेला की समाप्ति 15 फरवरी 2026 तक सभी शोकग्रस्त परिवारजन अपने दिवंगत परिजनों के शवदाह संस्कार हेतु शिवकुटी स्थित नए शवदाह स्थल का उपयोग करेंगे। इस दौरान दारागंज शवदाह स्थान पर शवदाह की अनुमति नहीं होगी।

शवदाह के लिए जाने वाले परिजनों को नागवासुकि मंदिर के सामने बनाई गई रिवर फ्रंट रोड के सहारे शिवकुटी पहुंचने की व्यवस्था की गई है, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। मार्ग पर दिशा-सूचक संकेतक लगाए जा रहे हैं और यातायात पुलिस की तैनाती भी सुनिश्चित की जाएगी। शिवकुटी स्थित नए शवदाह स्थल पर सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

जिला प्रशासन ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यह व्यवस्था अस्थायी है और माघ मेला की समाप्ति के बाद पूर्ववत व्यवस्था बहाल कर दी जाएगी।

नव वर्ष के शुभ अवसर पर 28 दिसंबर से अमीनाबाद होलसेल दवा मार्केट में शीतकालीन अवकाश

सुरक्षा के लिए प्रशासन से की गई समन्वय बैठक, रिटेल मेडिकल स्टोर रहेंगे खुले

(जीएनएस)।

लखनऊ। अमीनाबाद स्थित होलसेल दवा मार्केट में 28 दिसंबर 2025 (रविवार) से शीतकालीन पारिवारिक अवकाश लागू रहेगा। यह अवकाश वर्षों से चली आ रही परंपरा के तहत घोषित किया गया है, जिसमें वर्ष के अंतिम दिनों में व्यापारी परिवार के साथ समय बिताते हैं। दवा विक्रेता समिति, लखनऊ के पदाधिकारियों ने बताया कि अवकाश अवधि के दौरान मार्केट की सुरक्षा को लेकर संगठन द्वारा जिला प्रशासन, खाद्य एवं औषधि प्रशासन (ड्रग विभाग) तथा पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से समन्वय किया गया है। इसके साथ ही

अमीनाबाद के प्रभारी निरीक्षक सुनील आजाद से मुलाकात कर अतिरिक्त पुलिस व्यवस्था एवं नियमित गश्त बढ़ाने का अनुरोध किया गया, जिस पर पुलिस प्रशासन ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है समिति ने स्पष्ट किया कि पारिवारिक अवकाश के दौरान अमीनाबाद होलसेल दवा मार्केट बंद रहेगा, लेकिन इसके अतिरिक्त लखनऊ जनपद की सभी रिटेल दवा दुकानें, डिस्ट्रीब्यूटर, कंपनी डिपो, सी एंड एफ, नर्सिंग होम तथा अस्पतालों से जुड़े मेडिकल स्टोर सामान्य रूप से खुले रहेंगे। इससे आम नागरिकों को दवाओं की उपलब्धता में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होगी। दवा विक्रेता समिति ने व्यापारियों से अपील की है कि अवकाश से पूर्व अपने प्रतिष्ठानों एवं गोदामों में बिजली से संबंधित उपकरणों की जांच तथा शटर व ताले की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कर लें, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। समिति पदाधिकारियों ने सभी दवा व्यापारियों एवं आमजन को आगामी नववर्ष 2026 की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि नया वर्ष सभी के लिए सुख, स्वास्थ्य और समृद्धि लेकर आए।

प्रौद्योगिकी में भारत की छलांग को नई ऊर्जा

दुर्लभ मृदा स्थायी चुम्बक विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से

(जीएनएस)।

सरकार ने घरेलू एकीकृत आरईएम विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने के लिए 7,280 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी।

इस पहल के अंतर्गत दुर्लभ-मृदा ऑक्साइड से लेकर तैयार चुंबकों तक संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को समाहित करते हुए 6,000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष की स्वदेशी विनिर्माण क्षमता का सृजन किया जाएगा।

यह योजना विद्युत गतिशीलता, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस और रक्षा जैसे रणनीतिक एवं उच्च-प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करेगी।

यह योजना दुर्लभ-मृदा संसाधनों की प्रचुर उपलब्धता और एनसीएमएम तथा एमएमडीआर अधिनियम सुधारों सहित नीतिगत कार्यक्रमों द्वारा सहायता प्राप्त है।

यह पहल आयात पर निर्भरता को कम करते हुए वैश्विक उन्नत-सामग्री मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की भागीदारी को सशक्त बनाएगी और दीर्घकालिक औद्योगिक विकास को गति प्रदान करेगी।

परिचय

सरकार ने 7,280 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ 'धातुमल दुर्लभ मृदा स्थायी चुम्बक' के निर्माण को बढ़ावा देने की योजना' को मंजूरी दे दी है। इस पहल का उद्देश्य भारत में प्रति वर्ष 6,000 मीट्रिक टन (एमटीपीए) की एकीकृत आरईएम निर्माण क्षमता स्थापित करना है, जिसमें दुर्लभ मृदा ऑक्साइड से लेकर तैयार चुम्बक तक की पूरी श्रृंखला शामिल होगी।

इस पहल का उद्देश्य घरेलू स्तर पर एकीकृत विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के माध्यम से, इलेक्ट्रिक वाहनों, नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों, इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस और रक्षा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों के लिए आवश्यक एक महत्वपूर्ण घटक में आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करना है। साथ ही, यह भारत को वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा और उन्नत सामग्री उत्पादक बाजार में एक प्रमुख राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण, रणनीतिक क्षेत्रों के लिए सशक्त एवं लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण और देश के दीर्घकालिक नेट जीरो 2070 लक्ष्य सहित व्यापक राष्ट्रीय प्राथमिकताओं का प्रभावी रूप से सुदृढ़ करती है।

दुर्लभ मृदा स्थायी चुंबक (आरईपीएम) क्या है?

आरईपीएम स्थायी चुम्बकों के सबसे शक्तिशाली में से हैं और इनका व्यापक रूप से उन तकनीकों में उपयोग किया जाता है, जिनमें ठोस और उच्च- कार्य क्षमता वाले चुंबकीय घटकों की आवश्यकता होती है। इनकी उच्च चुंबकीय शक्ति और स्थिरता इन्हें निम्नलिखित के लिए अभिन्न बनाती हैः

इलेक्ट्रिक वाहन मोटर

पवन टरबाइन जनरेटर

उपभोक्ता एवं औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स

एयरोस्पेस तथा रक्षा प्रणालियां

सटीक सेंसर और एक्चुएटर

छोटे आकार में भी अत्यधिक चुंबकीय प्रदर्शन प्रदान करने वाली आरईपीएम की क्षमता उन्हें उन्नत इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के लिए अपरिहार्य बनाती है। भारत स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत गतिशीलता और रक्षा जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में विनिर्माण क्षमताओं का तीव्र विस्तार कर रहा है; ऐसे में दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित करने और आपूर्ति श्रृंखलाओं की लचीलापन बढ़ाने के लिए उच्च-प्रदर्शन चुम्बकों की विश्वसनीय और स्वदेशी आपूर्ति की व्यवस्था अत्यंत महत्वपूर्ण होती जा रही है।

भारत की वर्तमान स्थिति और योजना की आवश्यकता

भारत में दुर्लभ-मृदा खनिजों का पर्याप्त संसाधन आधार उपलब्ध है, विशेष रूप से मोनाजाइट के समृद्ध भंडार देश के कई तटीय और अंतर्देशीय क्षेत्रों में विस्तृत रूप से पाए जाते हैं। इन भंडारों में लगभग 13.15 मिलियन टन मोनाजाइट की उपस्थिति का अनुमान है, जिसमें से लगभग 7.23 मिलियन टन दुर्लभ-मृदा ऑक्साइड (आरईओ) निहित हैं। ये संसाधन आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, झारखंड, गुजरात और महाराष्ट्र में स्थित तटीय रेतीले टीलों, लाल रेतीले टीलों तथा अंतर्देशीय जलोढ़ क्षेत्रों में पाए जाते हैं। ये दुर्लभ-मृदा ऑक्साइड स्थायी चुंबक विनिर्माण सहित विविध रणनीतिक दुर्लभ-मृदा आधारित उद्योगों के लिए प्राथमिक कच्चे माल के रूप में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

इसके अतिरिक्त, गुजरात और राजस्थान के कठोर चट्टानी क्षेत्रों में लगभग 1.29 मिलियन टन इन-सीटू आरईओ संसाधनों की पहचान की गई है। वहीं, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा संचालित व्यापक अन्वेषण पहलों के परिणामस्वरूप 482.6 मिलियन टन दुर्लभ-मृदा अयस्क संसाधनों का अतिरिक्त आकलन किया गया है। ये संयुक्त संसाधन अनुमान आरईपीएम विनिर्माण सहित विविध दुर्लभ-मृदा आधारित उद्योगों को दीर्घकालिक रूप से सहयोग देने हेतु पर्याप्त एवं विश्वसनीय कच्चे माल की उपलब्धता को दर्शाते हैं।

भारत में दुर्लभ-मृदा खनिजों का सुदृढ़ संसाधन आधार उपलब्ध होने के बावजूद, स्थायी चुंबकों का घरेलू विनिर्माण अभी विकासशील चरण में है, जिसके परिणामस्वरूप वर्तमान मांग का एक बड़ा हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा किया जा रहा है। आधिकारिक व्यापार आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 से 2024-25 के दौरान भारत के स्थायी चुंबक आयात का प्रमुख भाग चीन से प्राप्त हुआ, जिसमें मूल्य के आधार पर आयात निर्भरता 59.6 प्रतिशत से 81.3 प्रतिशत तथा मात्रा के आधार पर 84.8 प्रतिशत से 90.4 प्रतिशत के बीच रही है।

इसी संदर्भ में, भविष्य की मांग के अनुमान घरेलू विनिर्माण क्षमता के त्वरित विस्तार की आवश्यकता को स्पष्ट रूप से रेखांकित करते हैं। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, नवीकरणीय ऊर्जा के बढ़ते उपयोग, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण तथा विभिन्न रणनीतिक अनुप्रयोगों में निरंतर वृद्धि के परिणामस्वरूप भारत में आरईपीएम की खपत के वर्ष 2030 तक दोगुनी होने की संभावना है। इसलिए घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करने के साथ-साथ आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती और लचीलापन को सुदृढ़ करने हेतु एकीकृत आरईपीएम विनिर्माण क्षमता का विकास आवश्यक हो गया है।'

यूपी गैंगेस्टर एक्ट में वांछित एक 10 हजार रुपए के इनामिया अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। यूपी गैंगेस्टर एक्ट में वांछित एक 10 हजार रुपए के इनामिया अभियुक्त को स्वॉट/सर्विलांस व थाना सफदरगंज पुलिस ने गिरफ्तार उसके कब्जे से एक अदद अवैध तमंचा मय 01 अदद जिन्दा कारतूस बरामद किया।

पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय द्वारा जनपद में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण लगाने हेतु अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में शनिवार को स्वॉट/सर्विलांस व थाना सफदरगंज पुलिस टीम ने मैनुअल इंटेलीजेंस व डिजिटल डेटा के मदद से यूपी गैंगेस्टर एक्ट में वांछित 10 हजार रुपए का इनामियां अभियुक्त मो0 हनीफ पुत्र स्व0 मोहर्रम अली निवासी ग्राम मकदूमपुर थाना कोठी जनपद

बाराबंकी को गिरफ्तार कर अभियुक्त के कब्जे से एक अदद अवैध तमंचा .315 बोर मय एक अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर बरामद कर किया। अभियुक्त तीन मुकदमो मे वांछित चल रहा था।